प्रेस सूचना ब्यूरो
भारत सरकार

*****

विदेश मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय ने वैश्विक कौशल गतिशीलता को बढ़ावा देने की दिशा में सामंजस्य बनाने के लिए दस राष्ट्रों के भारतीय मिशनों के साथ प्रथम वर्चुअल वैश्विक कौशल शिखर सम्मेलन का संयुक्त रूप से आयोजन किया।

श्री धर्मेंद्र प्रधान और श्री पीयूष गोयल ने शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की, दस विभिन्न देशों के भारतीय मिशनों का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय राजदूतों ने शिखर सम्मेलन में भाग लिया

शिखर सम्मेलन का उद्देश्य देशों की कौशल आवश्यकताओं और भारत में कौशल उपलब्धता संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक तंत्र को संस्थागत बनाना है

नई दिल्ली, 15 नवंबर 2022

कुशल कार्यबल की विदेशी गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने के लिए, विदेश मंत्रालय (एमईए), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (एमओसीआई), शिक्षा मंत्रालय (एमओई) और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने संयुक्त रूप से, दस देशों के भारतीय मिशनों का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय राजदूतों/उच्चायोग के साथ प्रथम वर्चुअल वैश्विक कौशल शिखर सम्मेलन (वीजीएसएस) आयोजित किया। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य देशों की कौशल आवश्यकताओं और भारत में कौशल उपलब्धता पर सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक ठोस तंत्र को संस्थागत बनाना है।

श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री तथा श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण एवं कपड़ा मंत्री ने शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की।

श्री राजीव चंद्रशेखर, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), भारत सरकार के राज्य मंत्री ने शिखर सम्मेलन में भाग लिया, डॉ राजकुमार रंजन सिंह, शिक्षा और विदेश राज्य मंत्री तथा श्री वी मुरलीधरन, विदेश मामलों और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री ने भी शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुसरण में, सरकार देश को विश्वसनीय कुशल और प्रमाणित कार्यबल के लिए एक पसंदीदा वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने और भारत को दुनिया की कौशल राजधानी बनाने की कल्पना करती है। यह गंतव्य देशों में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण अवसंरचना का निर्माण करके, अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता को बढ़ावा देकर, तथा युवाओं के लिए नौकरी के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट क्षेत्रों में विदेशी संबंधों को मजबूत करके प्राप्त किया जाएगा।

शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए, श्री पीयूष गोयल ने कहा कि आज पूरे सरकार के दृष्टिकोण को देखना उल्लेखनीय है और सभी मंत्रालयों और भारत मिशनों को एक साथ एक मंच पर लाना है, जो कौशल विकास के माध्यम से संकेन्द्रण लाता है और वैश्विक कौशल गतिशीलता को बढ़ावा देता है। उन्होंने उपलब्ध कौशल, संबंधित प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे, सख्त निरीक्षण प्रक्रियाओं और भाषा प्रशिक्षण के गहन क्षेत्रीय और भौगोलिक मानचित्रण पर जोर दिया।

श्री गोयल ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोहरी डिग्री और संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों के लिए गंभीर बातचीत की आवश्यकता है। इससे भारतीय युवाओं के लिए विदेश में काम करने के नए अवसर खुलेंगे। उन्होंने कहा कि हमें ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करना चाहिए और कौशल की गुणवत्ता को बनाए रखना चाहिए। इस शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए यह एक उपयुक्त समय है और कौशल विकास एक आत्मनिर्भर भारत की नींव हो सकता है।

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के एक सरकार एक मिशन के दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, यह वर्चुअल वैश्विक कौशल शिखर सम्मेलन वैश्विक कौशल गतिशीलता के लिए साझेदारी को बढ़ावा देने, मजबूत नीतिगत ढांचा तैयार करने, वैश्विक मानकों के साथ

बेंचमार्किंग करने और विदेशों में भारतीय कुशल पेशेवरों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रमुख मंत्रालयों, विभागों और देश मिशनों के साथ एक साझा मंच है। श्री प्रधान ने यह भी कहा कि जैसा कि हम खुद को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 3T कार्यनीति के साथ जोड़ते हैं, जो व्यापार, पर्यटन और प्रौद्योगिकी पर केंद्रित है, भारत में कुशल कार्यबल की वैश्विक मांग को पूरा करने की विशाल क्षमता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था और औद्योगिक क्रांति 4.0 में, भारत एक स्वाभाविक नेता बन गया है जो प्रौद्योगिकी के अनुकूल होने की हमारी अंतर्निहित क्षमता से आता है। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता और नए युग के कौशल प्रदान करने के हमारे प्रयासों से भारत में दुनिया की कौशल राजधानी बनने की क्षमता है। मंत्री जी ने आगे कहा कि हमें गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने वाला स्थिर मॉडल बनाना चाहिए और मौजूदा प्राइवेट प्लेयर्स के साथ मिलकर काम करना चाहिए, जिन्हें पहले से ही वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाजार के बारे में जानकारी है। यह जरूरी है कि हम अपने भारतीय मिशनों के माध्यम से नौकरी के अवसरों का मैप तैयार करें, क्षमता-निर्माण करें और तदनुसार संबंधित कौशल सेट पर प्रशिक्षण दें और नियोजन को प्रोत्साहित करें। उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी, बहु-मंत्रालय दृष्टिकोण, दूरंदेशी नीतिगत ढांचे के साथ, सरकार भारतीय कुशल पेशेवरों को वैश्विक अवसरों के साथ अल्पवधि और दीर्घावधि योजना के साथ जोड़कर कौशल गतिशीलता को बढ़ाने में सुविधाकर्ता की भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

शिखर सम्मेलन में कौशल सामंजस्य और अर्हता, गुणवत्ता मानकीकरण, क्षमता-निर्माण, वैश्विक गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान, रोजगार और युवाओं के लिए वैश्विक कार्यबल में शामिल होने की तैयारी पर विचार-विमर्श किया गया। जनसांख्यिकीय लाभांश ने भारत को एक प्रतिस्पर्धात्मक लाभ दिया है- भारत की लगभग 54% आबादी 25 वर्ष से अधिक आयु की है जो कार्यबल की तीव्र और लगातार बढ़ती कमी का सामना कर रहे देशों में भारतीय युवाओं को विदेशी रोजगार के अवसर प्रदान करने का एक अच्छा अवसर प्रस्तुत करती है।

इस शिखर सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, जापान, मलेशिया, मॉरीशस, सिंगापुर, तंजानिया, संयुक्त अरब अमीरात और यूनाइटेड किंगडम जैसे दस अलग-अलग देशों के भारतीय राजदूतों ने विचार-विमर्श किया।

एनएसडीसी इंटरनेशनल ने हाल ही में 16 गंतव्य देशों (2022-2027) में कुशल मांग का आकलन करने के लिए अध्ययन किया है। विश्लेषण के आधार पर, यह बताया गया है कि आने वाले वर्षों में रोजगार और उच्च गुणवत्ता वाले कुशल कार्यबल की प्रमुख चुनौती होगी, जिससे

भारतीय कार्यबल के लिए अवसरों की मैपिंग की आवश्यकता है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब साम्राज्य, कतर और जर्मनी भविष्य में सबसे कुशल कार्यबल के लिए शीर्ष देश हैं।

*****

एमजेपीएस/एके